भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-18 अंक-11 वि. स. 2079 युगाब्द 5124 जनवरी-2023 वार्षिक चंदा 200/- मूल्य प्रति - 20/-

मार्गदर्शक :

- डॉ कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :

- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :

- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मो: 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

आलोकः प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संरक्षक सहयोग राशि : रु 5000/-

सदस्यता शुल्क : 12 वर्षीय चंदा - रू 2000/- संरक्षक सहयोग राशि - रू 5000/-

जन्म- 7 जनवरी 1924 पुण्यतिथि - 10 जून 2022

बाबा योगेन्द्र

पद्मश्री से सम्मानित, हे बाबा योगेन्द्र!
कलाक्षेत्र में दक्ष तुम, सार्थक नाम उपेन्द्र।।
संघप्रचारक लोकप्रिय, दिव्य गुणों के धाम।
आदर श्रद्धा भाव से, तुमको नमन प्रणाम।।

- शिव

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 29 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. सचल चिकित्सा सेवा - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. नेत्र चिकित्सा सेवा - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. विकलांग सहायता सेवा - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. छात्रवृत्ति- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000।
6. सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) - रु. 2,000 की आजीवन (10 **वर्षीय**) सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. सेवा संवाद (मासिक) - रू. 2,000 की 12 **वर्षीय** एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. माधव सेवा आश्रम - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. विश्राम सदन दिल्ली - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित **माधव सेवा विश्राम सदन** के भवन निर्माण हेतू अधिकाधिक सहयोग अपेक्षित है।
11. अक्षय सेवा - दिल्ली में एम्स एवं दो अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
12. CSR फंड - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी FCRA के अन्तर्गत दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - भारतीय स्टेट बैंक, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली - खाता सं. 41171580896 (IFSC : SBIN0013182)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

राष्ट्रीय पर्वों-उत्सवों, महापुरुषों की जयंतियों के आयोजन तथा स्मरणीय वीरों के प्रति श्रद्धा-सम्मान व्यक्त करने की हमारी परंपरा के पीछे न केवल वर्तमान अपितु आगे आने वाली पीढ़ी के लिए भी एक शिक्षा का भाव निहित रहा है।

सम्पूर्ण जड़-चेतन जगत में परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। प्रकृति के प्रांगण में ऋतुओं का पदार्पण होते ही कवि की वाणी में उत्साह एवं उमंग से पूर्ण गीतों के शब्द नृत्य कर उठते हैं। प्रत्येक ऋतु के स्वागत में उसका हृदय भावनाओं की विशाल राशि से ओतप्रोत हो मधुर संगीत विखेरता है। सूर्य की किरणें उसके मानस में भावना के फूल खिलाती हैं। चन्द्रमा का सुधा सिक्त प्रकाश उसमें कल्पनाओं का माधुर्य बिखेरता है और समीर के चंचल झकोरे उसमें नवीन कामनाओं की तरंगें उत्पन्न करते हैं। मधुमास का उमड़ता हुआ सौरभ जब सम्पूर्ण वायु मण्डल में मादकता बिखेर देता है तब अंतर्मन की भावनाएँ मधुर गीतों के स्वर बनकर लहरा उठती हैं। प्रकृति का कण-कण गायक के प्राणों को स्पन्दित करके नये-नये गीतों की सृष्टि करता है। महाकवि निराला के कंठ से निसृत गीत---आओ, आओ फिर, मेरे बसन्त की परी-- इस संदेश के साथ 14 जनवरी को मकर राशि पर सूर्य का आगमन शीत से भयाक्रांत समस्त जड़-चेतन प्रकृति में नई शक्ति स्फूर्ति एवं आशा का संचार करता है। यही कारण है कि पूरे भारतवर्ष में मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर खिचड़ी, पोंगल, लोहड़ी, विहू, संक्रांति आदि नामों से लोग भिन्न भिन्न रूपों में खुशी और आनन्द प्रकट करते हैं। इन दिनों तिल-गुड़ से बने पदार्थों का सेवन कर स्वास्थ्य लाभ करने की भी प्रथा है। राष्ट्रीय विचारों और देशभक्ति से ओत-प्रोत क्रांति के नायक नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण कर अपनी राष्ट्र भक्ति को जाग्रत करना, स्वामी विवेकानन्द के विचारों से प्रभावित बोस जी की आत्मकथा An Indian Pilgrim जिसे उन्होंने स्वयं लिखा था, पढ़कर राष्ट्र भक्ति की प्रेरणा ग्रहण करना, राष्ट्र के प्रति सेवा-समर्पण भाव से समर्पित संपूर्णानंद, माधवराव देशमुख, रज्जू भैया जी आदि जैसे लोगों के जीवन-आदर्शों को जानना और तदनुसार आचरण करना हितकर होगा। 26 जनवरी का दिन अपने गणतन्त्र दिवस का आयोजन करते हुए राष्ट्र के प्रति अपने स्वाभिमान की अभिव्यक्ति तथा नए शुभ संकल्पों के साथ आगे बढ़ने का दिन है। हमारा यह गणतन्त्र दिवस, शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक दृष्टि से सभी के लिए प्रेरणादायक और उत्प्रेरक सिद्ध हो। जनवरी से प्रारम्भ हमारा यह नूतन वर्ष 2023 सभी के लिए सुख-शान्ति प्रदान करने वाला हो, इसी मंगल कामना के साथ यह अंक आपको समर्पित है।

@ शिव

चित्त शुद्धि के लिए अपने चारों ओर फैले हुए असंख्य मानवों की सेवा करो। आपस में ईर्ष्या-द्वेष रखने के बजाय, आपस में झगड़े और विवाद के बजाय, तुम परस्पर एक-दूसरे की अर्चना करो।

- स्वामी विवेकानंद

महामना शिक्षण संस्थान

महामना मदनमोहन मालवीय जी की जयंती के उपलक्ष्य में भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान के तत्वाधान में एक समारोह का आयोजन लखनऊ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ए.के.टी.यू. लखनऊ के माननीय कुलपति प्रो. पी.के. मिश्रा ने की। उत्तर प्रदेश सरकार में मा. सहकारिता मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जे.पी.एस. राठौर मुख्य अतिथि की भूमिका में उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री मा. शिवकुमार जी। मंच संचालन महामना शिक्षण संस्थान के सचिव और न्यास के न्यासी श्री रंजीव तिवारी जी ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन न्यास के सह-सचिव श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल जी ने किया। कार्यक्रम में संस्थान के पिछले दो बैच के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को मेडल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उत्तीर्ण विद्यार्थियों द्वारा अनुभव कथन भी रहा जिसमें उन्होंने संस्थान के अपने अनुभव सभी से साझा किये।कार्यक्रम के अंत में सभी आगंतुकों के लिए सुरुचिपूर्ण भोजन की व्यवस्था भी की गई थी। प्रतिभागियों की संख्या 450 से 500 के बीच रही।

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ के तृतीय बैच की छात्राएं माल एवेन्यू, लखनऊ स्थित छात्रावास में अपनी पढ़ाई सुचारू रूप से कर रही हैं। द्वितीय बैच की छात्राओं को पूर्व की भांति आनलाइन सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। दिनांक 25 दिसंबर को महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प की छात्राओं के लिए व्यक्तित्व विकास सत्रों की श्रृंखला में आनलाइन PD session का आयोजन किया गया जिसका विषय था "शिक्षा के क्षेत्र में महामना का योगदान", जिसमें 2021 एवं 2022 बैच की छात्राओं ने भाग लेते हुए अपने अपने विचारों से एक दूसरे को अवगत कराया। महामना मालवीय जी की जयंती के उपलक्ष्य में 25 दिसंबर को ही महामना शिक्षण संस्थान, अर्जुनगंज, लखनऊ में एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बालिका प्रकल्प की छात्राओं ने भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए प्रकल्प के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए।

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प

दिनांक 14 दिसम्बर 2022 को स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प लखनऊ द्वारा गोपालपुरा निकट महानगर कोतवाली लखनऊ में नये स्वास्थ्य केंद्र का शुभारम्भ किया गया। इस केंद्र का शुभारम्भ डा. राजीव लोचन पूर्व निदेशक बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा. विनय कुमार मिश्र, श्री अमिताभ शुक्ला नगर सेवा प्रमुख सेवा भारती, श्रद्धा नगर गटनायक सुमित अग्रवाल, सेवा वस्ती के संरक्षक जगदीश यादव व अन्य गणमान्य नागरिक तथा स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कुल 40 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क औषधि प्रदान की गई।

सच्ची सेवा

एक बार दो पड़ोसी राज्यों में युद्ध छिड़ गया। बहुत भयानक युद्ध चल रहा था। दोनों राज्यों की सेनाओं में ऐसे कर्मचारी भर्ती किए गए थे जिनका काम था युद्धस्थल पर जाकर अपनी-अपनी सेना के घायल सैनिकों की मरहम-पट्टी करना और उन्हें पानी पिलाना। उनमें से एक राज्य की सेना का एक कर्मचारी था पंडवरण। वह युद्धस्थल पर जाता, घायल सैनिकों को पानी पिलाता और उनकी मरहम-पट्टी करता। उसे जो भी घायल सैनिक नजर आता चाहे वह उसकी अपनी सेना का हो या विरोधी राज्य की सेना का हो, उसकी सेवा करता। इस बात पर कुछ सैनिकों ने राजा से शिकायत की कि पंडवरण विरोधी राज्य के घायल सैनिकों को भी मरहम-पट्टी करता और उन्हें पानी पिलाता है। राजा ने उसे तुरंत बुलवाया और उससे पूछा – "पंडवरण! तुम्हें अपनी सेना के घायल सैनिक की सेवा के लिए रखा गया है, किन्तु तुम तो विरोधी राज्य की सेना के घायल सैनिकों की भी सेवा कर रहे हो। ऐसा क्यों?" पंडवरण बोला – "महाराज! मेरा कर्म है कि मैं घायलों की सेवा करूं। मैं जब युद्ध स्थल पर जाता हूँ तो मुझे सिर्फ दर्द से कहारते घायल मानव नजर आते हैं। मुझे उनमें अपना या विरोधी नजर नहीं आता है। मुझे सिर्फ अपना कर्म याद रहता है। इसलिए मैं हर घायल की सेवा करता हूँ।" पंडवरण की बात सुनकर राजा ने उसे गले से लगा लिया और कहा – "पंडवरण! तुम सच्चे सेवक हो।"

कथा का सार यह है कि सेवा अपने या पराए को देखकर नहीं की जाती। जिस सेवा में पक्षपात हो वह सेवा नहीं होती। संपूर्ण मानव जाती की एक दृष्टि से सेवा ही सच्ची सेवा है। वह सहज, दयावश और मानवता के नाते की जानी चाहिए।

अक्षय सेवा प्रकल्प - दिल्ली

न्यास की योजना से चल रहे अक्षय सेवा प्रकल्प के माध्यम से वर्ष 2017 की अक्षय तृतीया से प्रारम्भ होकर आज तक अनवरत भोजन वितरण का पुनीत कार्य चल रहा है। 3 प्रमुख अस्पतालों के निकट प्रतिदिन लगभग 2000 लोगों को भोजन कराने का कार्य होता है। कोरोना महामारी के समय में तो इस कार्य का व्याप पूरी दिल्ली और आस-पास के नगरों तक फैल गया था। इस प्रकल्प के माध्यम से न्यास अब तक लगभग 50 लाख लोगों को भोजन कराने में समर्थ हुआ है। वर्ष 2022 के अंतिम दिन अर्थात शनिवार, 31 दिसंबर को इस कार्य को विशेष रूप देने की योजना की गई । दोपहर 1 बजे सफदरजंग अस्पताल के बाहर होने वाले भोजन वितरण के विशेष आयोजन में अनेक महानुभाव दानदाता और न्यास व प्रकल्प के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे । न्यास के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गोयल, सचिव श्री राहुल सिंह जी, न्यास के कोषाध्यक्ष और इस प्रकल्प के संयोजक श्री रामअवतार किला के साथ साथ श्री विनोद किला, श्री अनीश किला, डॉ गणेश मिश्रा आदि भी उपस्थित थे। प्रकल्प की ओर से आने वाले सभी महानुभावों का दुपट्टा ओढ़ाते हुए स्वागत किया गया।

न्यास का लक्ष्य प्रतिदिन होने वाले वितरण की संख्या और केंद्र बढ़ाने का है जिस पर काम चल रहा है। उसी कड़ी में जनवरी में मकर संक्रांति के दिन दिल्ली के एक और प्रमुख अस्पताल के निकट भोजन वितरण प्रारम्भ करने की योजना प्रकल्प द्वारा की गई है। यह केंद्र प्रारम्भ होने से अक्षय सेवा के दिल्ली में 4 केंद्र हो जाएंगे।

सुफलाम्

माता भूमि: पुत्रो अहं पृथिव्या: - यह उद्घोष अथर्ववेद में किया गया है। हिन्दू जीवन दर्शन में सृष्टि की और मनुष्य की उत्पत्ति पंचतत्वों से मानी गई है। वे पंचतत्व है आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी। इस विषय को आगे बढ़ाते हुए सुफलाम पृथ्वी तत्व सम्बंधित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 8 और 9 जनवरी 2023 को काशी हिन्दू विश्विद्यालय (BHU), काशी में भाऊराव देवरस सेवा न्यास (BDSN), भारतीय किसान संघ (BKS), समग्र ग्राम विकास, अक्षय कृषि परिवार, लोक भारती और कृषि मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित की गई। चर्चा के मुद्दे : (क) भूमि और सतत विकास; (ख) भूमि उपयोग, प्रबंधन और कानून; (ग) अंनं बहु कुवीत तद् वृतमं; (घ) भूमि और स्वास्थ्य और (च) भूमि एवं अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य

अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति सम्मान

न्यास के संस्थापक अध्यक्ष मा. अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में उनके जन्म दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम का आयोजन एक डॉ-दिवसीय गोष्ठी के रूप में न्यास द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के साथ संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

अटल जी का व्यक्तित्व वैश्विक था और वे वास्तव में विश्व राजनीति की अमूल्य धरोहर हैं। उनका समावेशी जीवन दर्शन अनुकरणीय था और वो सच्चे अर्थों में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की विचारधारा के पोषक थे। “भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी - मानवता राष्ट्रवाद एवम राजनीति के कालजई अग्रदूत” विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के मा. उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय ने व्यक्त किये।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित लखनऊ विवि के कुलपति प्रो आलोक राय जी ने भी गोष्ठी को संबोधित किया। लखनऊ उत्तर के विधायक डाक्टर नीरज बोरा भी उपस्थित थे। भाऊराव देवरस सेवा न्यास के एक प्रकल्प के संयोजक प्रोफेसर विजय कर्ण ने आये हुए महानुभावों का न्यास का प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया।

पं. प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा साहित्यकार सम्मान

भाऊराव देवरस सेवा न्यास का एक अति महत्वपूर्ण प्रकल्प है जिसके माध्यम से प्रतिवर्ष पं. प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा साहित्यकार सम्मान का आयोजन किया जाता है और प्रतिभाशाली युवा साहित्यकारों को प्रोत्साहन हेतु सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष का यह आयोजन 8 जनवरी को निम्नानुसार हुआ जिसकी विस्तृत जानकारी अगले अंक में दी जाएगी।

समर्थ भारत - दिल्ली

- प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम – इस माह क्रमशः 5 दिसम्बर को प्रियंका कैंप प्रशिक्षण केंद्र और 16 दिसम्बर को उत्तमनगर प्रशिक्षण केंद्र के ब्यूटी बैच के प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गये।
- फुटपाथ के नाईयों के साथ बैठक – समर्थ भारत के द्वारा झंडेवालान मातामंदिर के आसपास काम कर रहे नाईयों के साथ एक बैठक की गयी। इसमें 10 नाई उपस्थित रहे। इनके पास नाई के कार्य का हुनर तो है पर कोई प्रमाणपत्र नहीं है। समर्थ भारत इन्हें अपने साथ जोड़कर इन्हें सरकार के RPL प्रोग्राम के अंतर्गत प्रमाणपत्र दिलवाएगा और साथ ही इन्हें होम सर्विस में भी जोड़ने का कार्य करेगा।

- झिंगोला गाव में एक दिवसीय सॉफ्ट टॉयज का प्रशिक्षण – दिनांक 21 दिसम्बर 2022 को झिंगोला गांव में महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु सॉफ्ट टॉयस बनाने का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में 20 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया |

- समर्थ भारत (BDSN) KVIC का PTA बना – दिनांक 21 दिसम्बर 2022 को समर्थ भारत भाऊराव देवरस सेवा न्यास बन गया है खादी विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन (केवीआईसी) का प्रोफेशनल ट्रेनिंग एसोसिएट (पीटीए) केवीआइसी के प्राचार्य श्री बलराम दीक्षित जी तथा समर्थ भारत के सह संयोजक श्री राकेश कुमार जी ने नोटरी एडवोकेट श्री नवीन कुमार जी के सम्मुख एमओयू साइन किया। इस अवसर पर समर्थ भारत के कार्यालय प्रमुख श्री अनंत दीप जी साक्षी रहे।

- दान संग्रह का एक उदाहरण – दिनांक 31 दिसम्बर 2022 को समर्थ भारत के कार्य को सुचारू रूप से चलाने हेतु तथा समाज के युवावर्ग को कौशल संपन्न कर अपने पैरो में खड़े होने में मदद करने हेतु समाज के संपन्न वर्ग से सहयोग राशि (दान) एकत्र किया जाता है।
- कड़कड़डूमा प्रशिक्षण केंद्र गतिविधियाँ – ब्यूटिशियन कोर्स - इस केंद्र पर ब्यूटिशियन के तीसरे बैच के 25 प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण श्रीमती निधि

दीक्षित जी के द्वारा दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत सभी को KVIC के द्वारा प्रमाणपत्र भी दिया जायेगा। इस माह द्वितीय माह का प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें स्कैल्प मसाज, परमानेंट पर्मिंग, मेकअप, हेयर स्टाइल, नेलआर्ट, मेहंदी, स्टूडेंट्स फीडबैक, संस्कार प्रशिक्षण आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया।

- टैंक रोड, करोलबाग़ प्रशिक्षण केंद्र गतिविधियाँ – ब्यूटिशियन कोर्स - इस केंद्र पर ब्यूटिशियन के तीसरे बैच के प्रशिक्षण में 23 प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण श्रीमती शालिनी चौहान जी के द्वारा दिया जा रहा है। 3 फ़रवरी 2023 को प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत सभी को KVIC के द्वारा प्रमाणपत्र भी दिया जायेगा। इस माह के प्रशिक्षण में निम्न विषय रहे – हेयर स्टाइल, फेस ट्रीटमेंट, गेल्वानिक, पेडीक्योर, पीलिंग, थर्मोहर्ब पैक, हेयर स्पा आदि।

- मालवीय नगर प्रशिक्षण केंद्र गतिविधियाँ – ब्यूटिशियन कोर्स - इस केंद्र पर ब्यूटिशियन के तीसरे बैच का प्रशिक्षण तीन माह के पश्चात 04 दिसम्बर 2022 को पूर्ण हुआ। इस बैच में 23 प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण ले रहे थे। प्रशिक्षण सुश्री अंजली जी के द्वारा दिया जा रहा है । प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत सभी को KVIC के द्वारा प्रमाणपत्र भी दिया जायेगा। इस माह अंतिम माह के अंतिम दिनों का प्रशिक्षण दिया गया है जिसमे निम्न विषय कवर किये गए हैं –आईब्रो मेकअप, हेयर स्टाइल, नेल आर्ट, ब्राइडल मेकअप, स्टूडेंट फीडबैक आदि।

कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चन्द्र बोस

1938 में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन हरिपुरा में होना तय हुआ। इस अधिवेशन से पहले गांधी जी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए सुभाष को चुना। यह कांग्रेस का 51 वाँ अधिवेशन था। इस अधिवेशन में सुभाष का अध्यक्षीय भाषण बहुत ही प्रभावी हुआ। अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में सुभाष ने योजना आयोग की स्थापना की। सुभाष ने बंगलौर में मशहूर वैज्ञानिक सर विश्वेश्वरय्या की अध्यक्षता में एक विज्ञान परिषद की स्थापना भी की। सुभाष की अध्यक्षता में कांग्रेस ने चीनी जनता की सहायता के लिये डॉ॰ द्वारकानाथ कोटनिस के नेतृत्व में चिकित्सकीय दल भेजने का निर्णय लिया।

विभिन्न प्रकल्पों में

दिनांक 23 दिसंबर 2022 को दोपहर 1:30 बजे आईजीआईएमएस के अधिकारीगणों द्वारा अपने परिसर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने सदन में न्यास द्वारा रोगियों के परिजनों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली और संतोष व्यक्त किया। उन्हें और बेहतर करने हेतु अपने सुझाव भी दिए। समय समय पर ऐसे निरीक्षण न्यास के कर्मचारियों को भी सतर्क रहने को प्रेरित करते हैं।

श्रद्धांजलि : माता हीराबेन मोदी

प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र मोदी जी की मां हीराबेन का 100 साल की उम्र में अहमदाबाद के अस्पताल में निधन हो गया है। मां के निधन के बद प्रधानमंत्री मोदी भाई पंकज मोदी के आवास पर पहुंचे, जहां उनकी मां हीराबेन का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। हीराबेन को स्वास्थ्य संबंधी कुछ परेशानियों के चलते बुधवार को सुबह 'यू एन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर' में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के जारी किये गए बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री की मां हीराबेन मोदी ने 30 दिसंबर, प्रातः 3:30 बजे अंतिम सांस ली।

माँ के निधन पर पीएम मोदी ने दु:ख जताते हुए लिखा, "शानदार शताब्दी का ईश्वर चरणों में विराम... माँ में मैंने हमेशा उस त्रिमूर्ति की अनुभूति की है, जिसमें एक तपस्वी की यात्रा, निष्काम कर्मयोगी का प्रतीक और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध जीवन समाहित रहा है।"

माता हीराबेन ने बहुत ही कठिन परिस्थियों में अपने पूरे परिवार को संभाला। आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दूसरे घरों में बर्तन सफाई आदि के काम भी किए पर बच्चों की पढ़ाई में रूकावट नहीं आने दी। उनकी इस मेहनत का ही फल है कि देश को श्री नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्तित्व वाला नेतृत्वकर्ता मिला। ऐसी माँ को माता जीजाबाई के समकक्ष रखने में कोई अतिशियोक्ति नहीं होगी। अतः माता हीराबेन को शत-शत नमन। भगवान् से प्रार्थना कि ऐसी पवित्र आत्मा को अपने परम धाम में स्थान दें।

माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश

देवभूमि ऋषिकेश में एम्स के निकट निर्माणाधीन माधव सेवा विश्राम सदन में गत 14 दिसम्बर को भूतल के एक हिस्से की छत डालने का काम हुआ। इस अवसर पर न्यास के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गोयल जी, प्रकल्प के प्रमुख श्री संजय गर्ग जी और उत्तराखंड के प्रांत कार्यवाह श्री दिनेश सेमवाल जी भी उपस्थित थे।

30 नवम्बर को बेसमेंट की छत भी डाली गई थी और उसका शेष कार्य भी दिसम्बर में पूरा किया गया।

भवन के भूतल के पहले भाग की छत डलने के पश्चात 28 दिसंबर को भूतल के दूसरे भाग की छत डालने का काम हुआ।

ऋषिकेश में कार्य की प्रगति का अवलोकन करने इसी दिन हमारी वास्तुकार श्रीमती कीर्ति जी अपने दल के साथ उपस्थित रहीं।

ऋषिकेश में अब पहली मंजिल की तैयारी भी शुरू हो गई है और उसके पिलर का काम प्रारम्भ हो गया है।

निर्माण कार्य अपने लक्ष्य के अनुसार ही आगे बढ़ रहा है और आशा है कि तय समय में ही यह कार्य पूर्ण होगा।

आपका सहकार

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संघ के द्वितीय सरसंघचालक परमपूजनीय माधव राव जी गोलवलकर की स्मृति में देवभूमि ऋषिकेश में एम्स अस्पताल के निकट माधव सेवा विश्राम सदन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस सदन का उपयोग साधु संतों, एम्स ऋषिकेश में उपचार के लिए आने वाले रोगियों व उनके सहायकों द्वारा किया जाएगा। यह कार्य आपका अपना ही है, इसे अनुभव करते हुए आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप उदार हृदय से इस सेवा प्रकल्प हेतु यथा संभव सहयोग करें। आपके द्वारा दी गई राशि 80-G के अंतर्गत छूट प्राप्त है। आप CSR फंड के अंतर्गत भी सहयोग कर सकते हैं। आपका यही सहयोग निर्मित होने वाले इस विश्राम सदन के शीघ्रातिशीघ्र साकार रूप लेने में सहायक होगा।

आपके परिवार में सुख-समृद्धि के लिए शुभकामनाएं।

भारतीय स्टेट बैंक, केंद्रीय सचिवालय, नई दिल्ली

A/C: 40692412361
IFSC : SBIN0000625

आर्थिक सहयोग के लिए आवश्यक जानकारी :

MCA में न्यास की CSR पंजीकरण संख्या **CSR00004454**
80G में न्यास की पंजीकरण संख्या **AAATB1049GF20217**
न्यास की FCRA पंजीकरण संख्या **136550134**

पावन स्मृति - नवम्बर

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया,अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं।

दिनांक	दिवस	महापुरूषों का नाम
1 जनवरी	जन्म-दिवस	साहित्यप्रेमी राजनेता : डॉ. संपूर्णानंद
7 जनवरी	जन्म-दिवस	कलाकारों के कलाकार : योगेन्द्र बाबा
7 जनवरी	पुण्य-तिथि	सादगी की प्रतिमूर्ति : श्री लक्ष्मण श्री कृष्ण भिड़े
8 जनवरी	पुण्य-तिथि	राष्ट्र आराधान के स्वर : चंद्रकांत भारद्वाज
8 जनवरी	पुण्य-तिथि	भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक : स्वामी प्रणवानन्द
11 जनवरी	बलिदान-दिवस	देशभक्त सरदार सेवासिंह
12 जनवरी	जन्म-दिवस	विश्वविजेता : स्वामी विवेकानन्द
12 जनवरी	जन्म-दिवस	आधुनिक विज्ञान और परम्परा के महर्षि: महेशयोगी
17 जनवरी	जन्म-दिवस	रामसिंह कूका और उनके गोभक्त शिष्य
18 जनवरी	जन्म-दिवस	अनुशासन प्रिय : महादेव गोविन्द रानाडे
20 जनवरी	बलिदान-दिवस	छत्तीसगढ़ के अमर बलिदान: गेंदसिंह
21 जनवरी	बलिदान-दिवस	क्रांतिकारी हेमू कालाणी
21 जनवरी	पुण्य-तिथि	परवावज के साधक : पुरूषोत्तम दास
22 जनवरी	जन्म-दिवस	क्रान्तिकारी नृत्यांगना : अजीजन बाई
23 जनवरी	जन्म-दिवस	नेताजी सुभाषचन्द्र बोस
26 जनवरी	जन्म-दिवस	स्वतन्त्रता सेनानी: रानी माँ गाइडिन्ल्यू
27 जनवरी	जन्म-दिवस	वनों का रक्षक : निर्मल मुण्डा
29 जनवरी	जन्म-दिवस	सबके रज्जू भैया

कलाकारों के कलाकार : योगेन्द्र बाबा (7 जनवरी, 1924 - 10 जून 2022)

'संस्कार भारती' के संस्थापक श्री योगेन्द्र जी ऐसे ही कलाकार हैं, जिन्होंने हजारों कला साधकों को एक माला में पिरोने का कठिन काम कर दिखाया है। 7 जनवरी 1924 को बस्ती, उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध वकील बाबू विजय बहादुर श्रीवास्तव के घर जन्मे योगेन्द्र जी के सिर से दो वर्ष की अवस्था में ही माँ का साया उठ गया। फिर उन्हें पड़ोस के एक परिवार में बेच दिया गया। इसके पीछे यह मान्यता थी कि इससे बच्चा दीर्घायु होगा। उस पड़ोसी माँ ने ही अगले दस साल तक उन्हें पाला।

छात्र जीवन में उनका सम्पर्क गोरखपुर में संघ के प्रचारक नानाजी देशमुख से हुआ। योगेन्द्र जी यद्यपि सायं शाखा में जाते थे; पर नानाजी

प्रतिदिन प्रात: उन्हें जगाने आते थे, जिससे वे पढ़ सकें। एक बार तो तेज बुखार की स्थिति में नानाजी उन्हें कन्धे पर उठाकर डेढ़ कि.मी. पैदल चलकर पडरौना गये और उनका इलाज कराया। इसका प्रभाव योगेन्द्र जी पर इतना पड़ा कि उन्होंने शिक्षा पूर्ण कर स्वयं को संघ कार्य के लिए ही समर्पित करने का निश्चय कर लिया।

उनके मन में एक सुप्त कलाकार सदा मचलता रहता था। देश-विभाजन के समय उन्होंने एक प्रदर्शिनी बनायी जिसे देखने वाला अपनी आँखें पोंछने को मजबूर हो गया। फिर तो ऐसी प्रदर्शिनियों का सिलसिला चल पड़ा। शिवाजी, धर्म गंगा, जनता की पुकार, जलता कश्मीर, संकट में गोमाता, 1857 के स्वाधीनता संग्राम की अमर गाथा, विदेशी षड्यन्त्र, माँ की पुकार...आदि आदि ने संवेदनशील मनों को झकझोर दिया। 'भारत की विश्व को देन' नामक प्रदर्शिनी को विदेशों में भी प्रशंसा मिली। संघ नेतृत्व ने योगेन्द्र जी की इस प्रतिभा को देखकर 1981 में 'संस्कार भारती' नामक संगठन का निर्माण कर उसका कार्यभार उन्हें सौंप दिया। योगेन्द्र जी के अथक परिश्रम से यह आज कलाकारों की एक अग्रणी संस्था बन गयी है। अब तो इसकी शाखाएँ विश्व के अनेक देशों में स्थापित हो चुकी हैं। योगेन्द्र जी शुरू से ही बड़े कलाकारों के चक्कर में नहीं पड़े वरन उन्होंने नये कलाकारों को मञ्च दिया और धीरे-धीरे वे ही बड़े कलाकार बन गये। इस प्रकार उन्होंने कलाकारों की नयी सेना तैयार कर दी। जब अपनी खनकदार आवाज में वे किसी कार्यक्रम का 'आँखों देखा हाल' सुनाते थे, तो लगता था, मानो आकाशवाणी से कोई बोल रहा है। उनका हस्तलेख मोतियों जैसा था। इसीलिए उनके पत्रों को लोग संभालकर रखते हैं।

"बाबा" के नाम से प्रसिद्ध योगेन्द्र जी कला के माध्यम से देश की सेवा करते-करते 10 जून 2022 को गोलोकवासी हो गए। उनके कृत्य उन्हें हमेशा लोगों के मनों में ज़िंदा रखेंगे। वे मरकर भी अमर हो गए।

स्वामी विवेकानन्द (जन्म: 12 जनवरी 1863 - मृत्यु: 4 जुलाई 1902)

स्वामी विवेकानन्द वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु थे। उनका वास्तविक नाम नरेन्द्र नाथ दत्त था। भारत का आध्यात्मिकता से परिपूर्ण वेदान्त दर्शन अमेरिका और यूरोप के हर एक देश में स्वामी विवेकानन्द की वक्तृता के कारण ही पहुँचा। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी जो आज भी अपना काम कर रहा है। वे रामकृष्ण परमहंस के सुयोग्य शिष्य थे। उन्होंने अमेरिका स्थित शिकागो में सन् 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। वहाँ उन्हें बड़ी कठिनाई से केवल 2 मिनट का समय दिया गया था लेकिन जब उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत "मेरे अमेरिकी बहनों एवं भाइयों" से की तो पूरा हॉल लम्बे समय तक तालियों से गूंजता रहा। उनके संबोधन के इस प्रथम वाक्य ने सबका दिल जीत लिया था और उन्होंने अधिक समय लेकर अपना वक्तव्य पूरा किया।

कलकत्ता के एक कुलीन बंगाली कायस्थ परिवार में जन्मे विवेकानन्द आध्यात्मिकता की ओर झुके हुए थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण देव से काफी प्रभावित थे जिनसे उन्होंने सीखा कि सारे जीवो में स्वयं परमात्मा का ही अस्तित्व है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी की मृत्यु के बाद स्वामी विवेकानन्द ने बड़े पैमाने पर भारतीय उपमहाद्वीप का दौरा किया और ब्रिटिश भारत में मौजूद स्थितियों का प्रत्यक्ष ज्ञान

हासिल किया। विवेकानन्द ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोप में हिंदू दर्शन के सिद्धान्तों का प्रसार किया और कई सार्वजनिक और निजी व्याख्यानों का आयोजन किया। भारत में स्वामी विवेकानन्द को एक देशभक्त सन्यासी के रूप में माना जाता है और उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

शहीद हेमू कालाणी (जन्म: 23 मार्च 1923 - बलिदान : 21 जनवरी 1943)

भारत को विदेशी शासन से मुक्त कराने के लिए जिन वीर सपूतों ने अपना बलिदान दिया, उनमें क्रांतिकारी अमर शहीद हेमू कालाणी भी थे, जो मात्र 19 वर्ष की उम्र में शहीद हो गये थे। हेमू कालाणी सिंध के सक्खर (अब पाकिस्तान में) जन्मे थे। पेसूमल कालाणी एवं जेठी बाई के पुत्र हेमू बचपन से ही साहसी थे। स्कूल जाने के साथ ही वह क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय हो गए थे।

जब वह मात्र सात वर्ष के थे, तभी तिरंगा लेकर अंग्रेजों की बस्ती में चले जाते थे और अपने मित्रों के साथ निर्भीक होकर सभाएं करते थे। वह पढ़ाई-लिखाई में अच्छे होने के अलावा अच्छे तैराक तथा धावक भी थे। विदेशी हुकूमत को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेकर वह स्वतंत्रता आंदोलन की सक्रिय गतिविधियों में शामिल हो गए। सिंध के क्रांतिकारियों को जानकारी मिली कि 23 अक्टूबर, 1942 की रात आन्दोलनकारियों को कुचलने के लिए अंग्रेज सैनिकों, हथियारों व बारूद से भरी रेलगाड़ी सक्खर शहर से गुजरती हुई बलूचिस्तान जाएगी। हेमू कालाणी ने रेलगाड़ी को गिराने का दायित्व अपने ऊपर लिया,जिसमें उनके साथ दो सहयोगी नंद और किशन भी थे।

उन्होंने रेल की पटरियों की फिशप्लेटों को उखाड़ना शुरू कर दिया। शोर सुनकर गश्त कर रहे सिपाही आए। नंद और किशन तो वहां से भाग गए, मगर हेमू कालाणी को उन्होंने पकड़ लिया। उन्हें भयानक यातनाएँ दी गईं, ताकि वे अपने साथियों के नाम बता दें लेकिन उन्होंने अपना मुँह नहीं खोला। सक्खर की मार्शल ला कोर्ट ने देशद्रोह के अपराध में 10 वर्ष की कठोर कारावास की सज़ा सुनाई। अनुमोदन के लिए निर्णय हैदराबाद (सिंध) स्थित सेना मुख्यालय के प्रमुख अधिकारी कर्नल रिचर्डसन के पास भेजा गया। ब्रिटिशराज का खतरनाक शत्रु करार देते हुए कर्नल रिचर्डसन ने हेमू कालाणी की सजा को फांसी में बदल दिया। 21 जनवरी, 1943 को प्रात: सात बजकर 55 मिनट पर हेमू कालाणी को फांसी पर लटकाया गया।

उन्होंने 'इंकलाब-जिंदाबाद' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाते हुए खुद अपने हाथों से फंदा गले में डाला, और शहीद हो गए। फांसी के बाद उनके पार्थिव शरीर का पूरे सम्मान के साथ परम्परानुसार अंतिम संस्कार किया गया। सारे सक्खर शहर में विरोध स्वरुप उस दिन पूर्ण हड़ताल रही। स्वतंत्रता के बाद संसद परिसर में उनकी प्रतिमा स्थापित हुई और भारत सरकार ने उनकी स्मृति में डाक टिकट जारी किया।

विश्राम सदनों में दिसंबर-2022 में आने वाले नए रोगी व सहायक

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU, लखनऊ	विश्राम सदन, दिल्ली	IGIMS, पटना	एम्स, झज्जर	योग
1	जम्मू कश्मीर			19		5	24
2	हिमाचल प्रदेश			8			8
3	पंजाब	3	3	1		5	12
4	हरियाणा	2		18	1	274	295
5	दिल्ली	13		22	6	114	155
6	उत्तराखंड		2	26	4	16	48
7	उत्तर प्रदेश	1687	810	223	2	435	3157
8	बिहार	1070	44	251	2275	114	3754
9	झारखण्ड	90	3	30	33	20	176
10	सिक्किम				1	1	2
11	नागालैंड						
12	असम	2		3		1	6
13	मणिपुर /मिजोरम						
14	अरुणाचल प्रदेश						
15	त्रिपुरा			6			6
16	मेघालय						
17	प. बंगाल	8		34	4	8	54
18	ओडिशा/अंदमान			5	3	4	12
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना						
20	तमिलनाडु /पुदुच्चेरी						
21	कर्नाटक						
22	केरल			3			3
23	महाराष्ट्र /गोवा	4	11		1	3	19
24	मध्य प्रदेश	51		38	1	18	108
25	छत्तीसगढ़	10		2			12
26	गुजरात						
27	राजस्थान		1	19		25	45
28	अन्य						
	पड़ोसी देश						
29	नेपाल	6		8	10	4	28
30	बांग्लादेश						
31	अन्य देश						
	योग (इस मास)	**2946**	**874**	**716**	**2341**	**1047**	**7924**
	योग (अप्रैल 22 - मार्च 23)	**26741**	**7753**	**5982**	**18395**	**6519**	**65390**

RNIN-UPHIN/2005/15853

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केंद्र	दिसंबर	अप्रैल 22 से
वेदांत आश्रम पपनामऊ चिनहट	21	196
सेवा समर्पण संस्थान, बिन्दौवा	124	1234
गोपाल पुरा	119	119
51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब	57	388
अम्बेडकर नगर	40	288
माधव सेवा आश्रम	14	116
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र		
एलोपेथिक	737	4891
होम्योपैथिक	432	2872
रूग्ण सेवा केंद्र, माधव सेवा आश्रम	227	2025
कुल लाभान्वित रोगी	1771	12129

नेत्र चिकित्सा (दिसंबर)

	देवड़े नेत्र चिकित्सालय लखनऊ	अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	योग (अप्रैल 2022 से)
नेत्र परीक्षण	613	2659	22889
चश्मा वितरण	282	1727	16011
मोतियाबिंद ऑपरेशन	25	0	139
Fundus Test	0	0	48
OCT Test	0	0	6
पैथोलॉजी	203	0	1733

आलोक : नेत्र एवं पैथोलॉजी जाँच केवल 20 रूपये के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है

आप भी लिखें :- सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख (चित्र सहित), सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा संस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं सुझाव आदि सामग्री तथा सेवा संवाद के प्रकाशित अंकों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित कर हमारा मार्गदर्शन, सहयोग करने का कष्ट करें- सम्पादक।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	संपर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती सीमा अग्रवाल	9335922353
सामाजिक विज्ञानं एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन, के.जी.एम.यू. , लखनऊ	श्री जितेन्द्र अग्रवाल	9415003111
देवडे नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक), लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्धवार्षिक), लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
विश्राम सदन, एम्स , दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र, दिल्ली	श्री गौरव गर्ग	9918532007
विश्राम सदन, आई. जी. आई. एम. एस., पटना	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457
विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा)	श्री विकास कपूर	9818098600
माधव सेवा विश्राम सदन , ऋषिकेश	श्री संजय गर्ग	9837042952
अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	डॉ सुशील उपाध्याय	9554966006

बुक पोस्ट
छपा-साहित्य

सेवा में,

मुद्रक एवं प्रकाशक : श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा भाऊराव देवरस सेवा न्यास सी-91, निराला नगर, लखनऊ-226020 के लिए नूतन ऑफसेट मुद्रण केंद्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ-226002 से मुद्रित, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, सी-91, निराला नगर, लखनऊ-262020 से प्रकाशित - सम्पादक : डॉ शिवभूषण त्रिपाठी